उलज मत दिल बहारो में बहारो का भरोसा क्या

उलज मत दिल बहारो में बहारो का बरोसा क्या
साहारे टूट जाते है सहारो का भरोसा क्या
उलज मत दिल बहारो में बहारो का भरोसा क्या

तमानाये जो तेरी है वो बुहारे है वो सावन की
फुहारे सुख जाती है फुहारों का भरोसा क्या
उलज मत दिल बहारो में बहारो का भरोसा क्या

तू अपनी अक्ल मंदी पर विचारों पर न इतराना
है लेहरो की तरह चंचल विचारो का भरोसा क्या
उलज मत दिल बहारो में बहारो का भरोसा क्या

परम प्रभु की शरण लेकर विचारो से सजन रेहना,
कहा कब मन बिगड़ जाए विचारो का भरोसा क्या
उलज मत दिल बहारो में बहारो का भरोसा क्या

अगर विस्वाश करना है तो कर दुनिया के मालिक का
धनी कंजूस लोभी और मकारो का भरोसा क्या
उलज मत दिल बहारो में बहारो का भरोसा क्या

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17171/title/ulaj-mat-dil-baharo-me-baharo-ka-bharosa-kaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |